Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 5

समकालीन विश्व में सुरक्षा

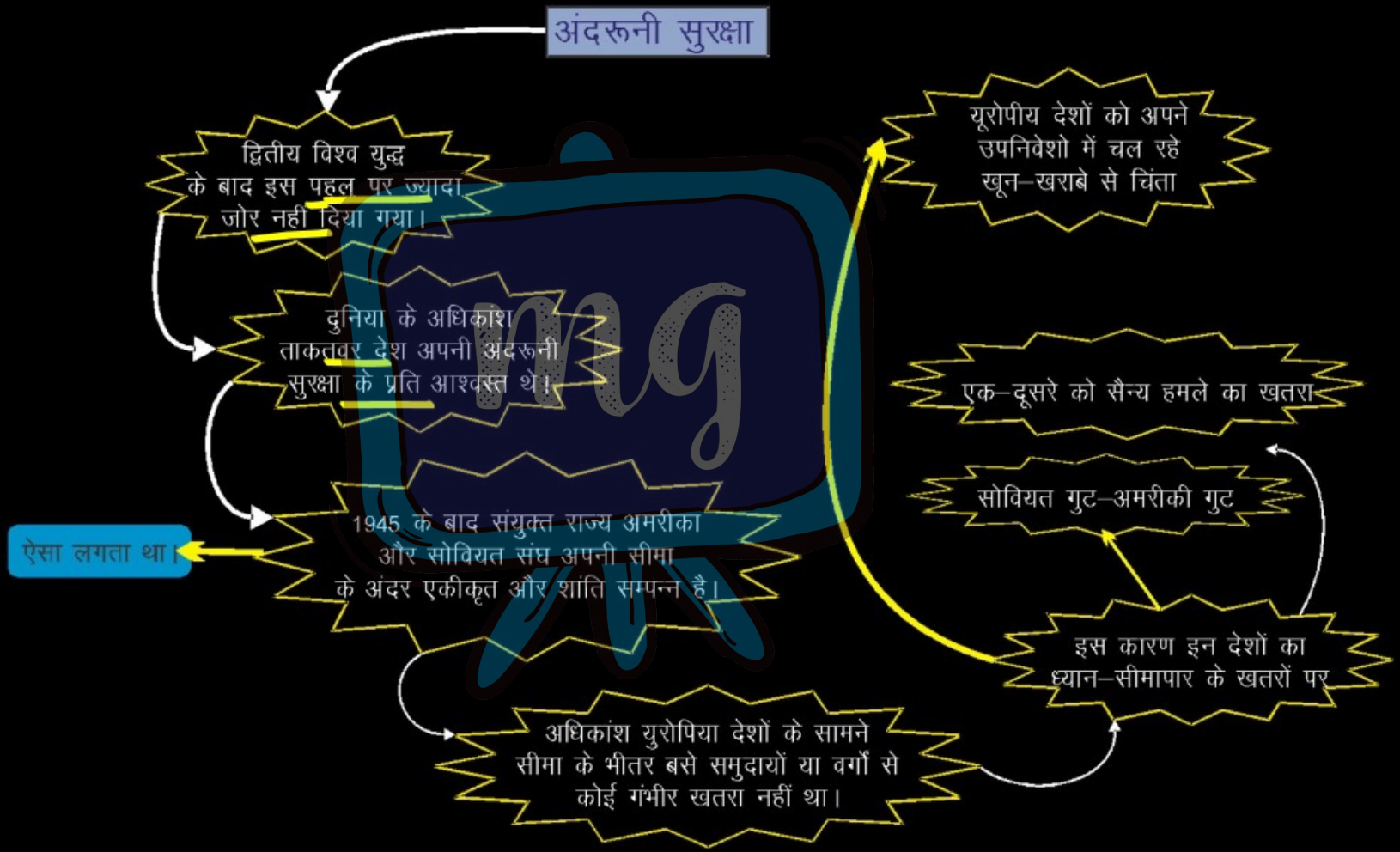
भाग - 3

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पारंपरिक धारणा – आंतरिक सुरक्षा



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

शीतयुद्ध कालीन दौर

- 1940 के दशक के उत्तरार्द्ध में उपनिवेशों ने आजाद होना शुरू किया और इनके सुरक्षा सरोकार अक्सर यूरोपीय ताकतों के समान ही थे।
- कुछ नव स्वतंत्र देश किसी न किसी एक गुट के सदस्य बन गये।

सुरक्षा की चिंता :-

- दूसरे खेमे में जाने वाले अपने पड़ौसी देश से दुश्मनी।
- दूसरे गुट के नेता से दुश्मनी
- औपनिवेशिक शासकों के हमले का डर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



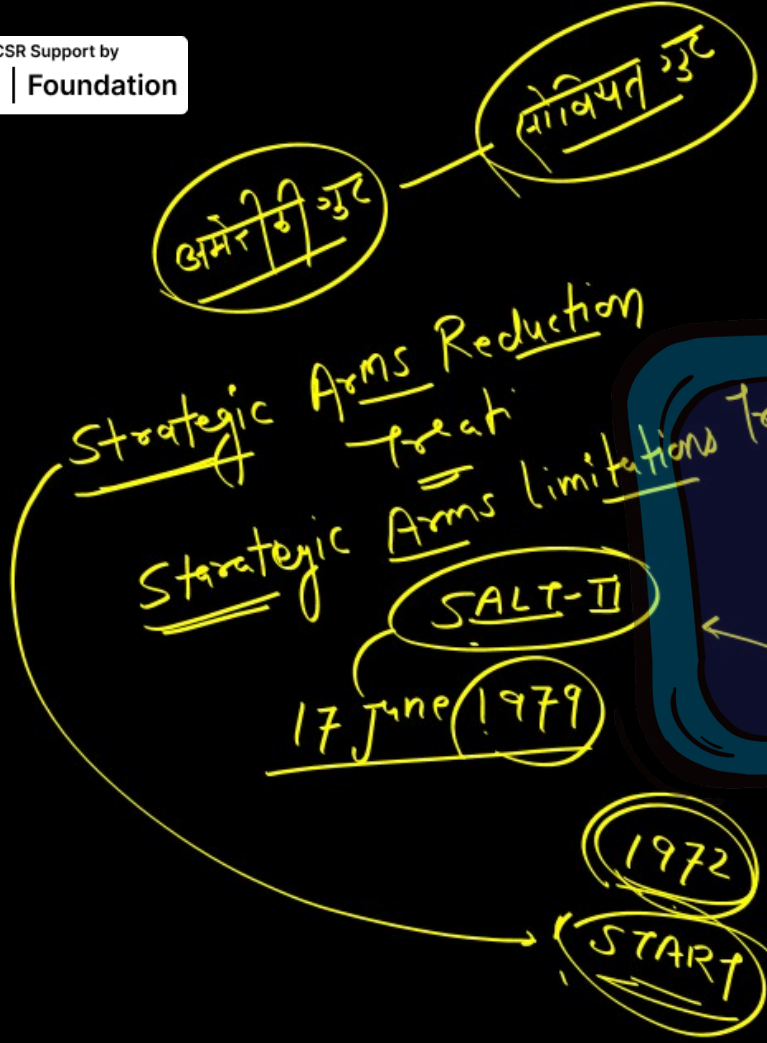
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ABM

- 1972 की एंटी बैलेस्टिक संधि ने अमरीका ओर सोवियत संघ को बैलेस्टिक मिसाइलों के रक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करने से रोका। संधि में दोनों देशों को सीमित संख्या में ऐसा रक्षा प्रणाली तैनात करने की अनुमति थी।
- अमरीका एवं सोवियत संघ ने अस्त्र नियंत्रण की कई अन्य संधियों पर हस्ताक्षर किये।

- सामरिक अस्त्र परिसीमन संधि - 2
- सामरिक अस्त्र न्यूनीकरण संधि
- परमाणु अप्रसार संधि (NPT) - 1968

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Treaty on the Non-proliferation of Nuclear Weapons — NPT

भारत ने हस्ताक्षर से मना। इ. गांधी

परमाणु अप्रसार संधि (NPT) — 1968

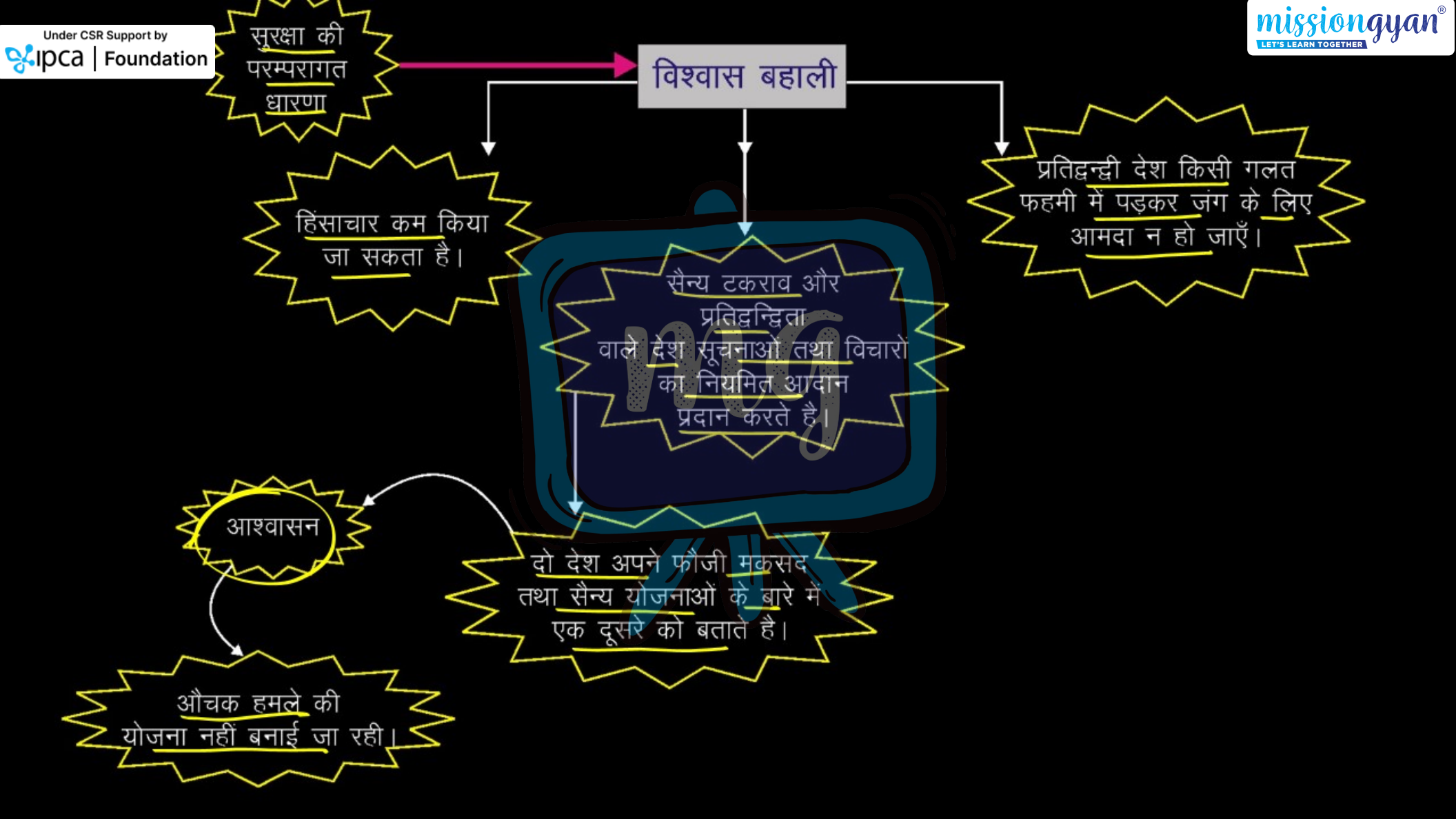
जिन देशों ने 1967 से पहले परमाणु हथियार बना लिये → उन्हें हथियार रखने की छुट

जो देश 1967 तक परमाणु हथियार नहीं बना पाये → उन्हें ऐसे हथियारों को हासिल करने पर रोक

इस संधि ने परमाण्विक आयुधों को समाप्त नहीं किया लेकिन इन्हें हासिल कर सकने वाले देशों की संख्या कम कर दी।

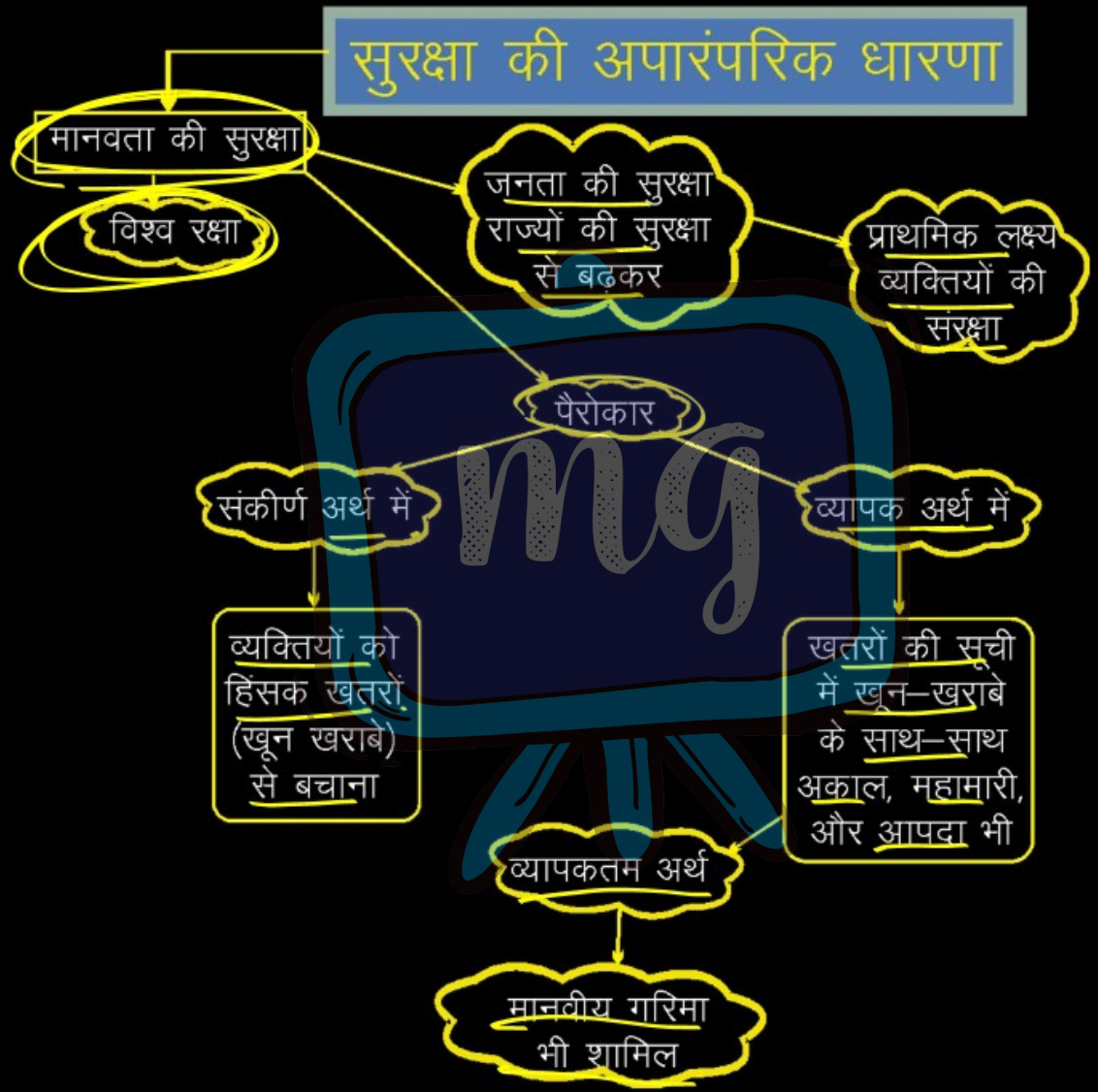
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

खतरे के नये स्त्रोत

आतंकवाद

एक से ज्यादा देशों में व्याप्त

मानवाधिकार

जान–बूझकर नागरिकों को अपना निशाना बनाता है।

खून–खराबा

उदाहरण

विमान अपहरण
भीड भरी जगह पर बम लगाना आदि

तीन कोटियां

राजनीतिक अधिकार

आर्थिक और सामाजिक अधिकार

उपनिवेशीकृत जनता अथवा जातीय और मूलवासी अल्पसंख्यकों के अधिकार

अभिव्यक्ति और सभा करने की आजादी

व्यापक सहमति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गरीबी - HDI - Human Development Index

UNDP

2024 - Report

भारत - 134 वें

खतरे का एक और वैश्विक स्त्रोत - निर्धनता

- अनुमान है कि अगले 50 सालों में दुनिया के सबसे गरीब देशों में जनसंख्या तीन गुनी बढ़ेगी।
- जबकि इसी अवधि में अनेक धनी देशों की जनसंख्या घटेगी।

- प्रति व्यक्ति उच्च आय
  जनसंख्या की कम वृद्धि
  ↓
  धनी बनने में मदद

- प्रति व्यक्ति निम्न आय
  जनसंख्या की तीव्र वृद्धि
  ↓
  गरीब बनाते हैं।